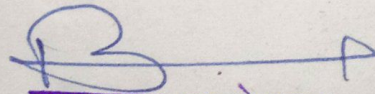


5/12/19

नामालम सहायक कलेक्टर दौसा  
बुधा व/स जगदीश वंगी राई

निर्णय प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा

पत्रावली पेशं हुई। प्रार्थना कादी द्वारा एक वाक पत्र  
आदि चौकना रवाते दारी एवं स्थाई निषेधाज्ञा एवं तकाहमा

  
सहायक कलेक्टर  
दौसा (जि. दौसा)

P.T.O

तारीख हुकम	बुद्धा आर्डि V/S जगदीश हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
लगातार 05/12/19	<p>           आराजी वाद उत्तर अग्रिम त्वसरा न० 1834, 1835, 1836,            1837, 1839, 1840, 1841, 1842, 1844, 1845, 1846, 1847,            1848, 1849, 1850, 1851, स्वसरा न० 1822, 1830, 1831,            1832, 1833, 1838, 1843, 1852, 1853, त्वसरा न० 1821            हे तन मौजा मीकली त० दोसा की वायते पेश किमागमा            वाद पत्र के साथ पार्शना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा इस-            आशात्र का पेश किमागमा कि आराजी कुल में अजर्घा            स० 1 लगातार 5 का एक हिस्सा/दुर्ज रेवेन्यू रिकार्ड गलती            से निराधार बेजा दर्ज होने की वजह से दिनांक 13/03/19            को अजर्घा स० 6 लगातार 10 अजनबी क्रेतागण को बौगस-            क्रेतागण कट दिया गया। आराजी वाद उत्तर प्रतिवादी न० 1 ल० 5            की स्वयं व पिता की कर्ता अग्रिम नहीं रही/वाल्कि पितमह            उमासा पुत्र मक उवम रेवडी पत्नि उमासा के एक अधि-            कारी की अग्रिम रही है/जागीरदारी के जमाने से रेवडी के            फूफा दौद पुत्र लालचन्द माली द्वारा अपनी मतीजी-            रेवडी को दी गई थी। आराजी जागीर उन्मुलन के समय            सम्वत 2008-2009 के बाद रपाता स० 1170, 1169, 1190,            1059 तन मौजा भाण्डारेज का अंकन वादीगण के बड़े            आता भौरमा के एक में दर्ज रेवेन्यू रिकार्ड रवातेदारी            दर्ज हो गया। परन्तु वादीगण स० 15 से 28 तक पेटक-            संभुक्त कुटुम्ब परिवार की अग्रिम पर अपने हिस्सा अनुमा            काबिल होकर काश्त कर लाभान्वित होते चले आ रहे हैं।            वादी स० 15 लगातार 28 मत्र अजर्घा प्रतिवादी नम्बर            1 स० 5 का सजरा खानदान बनाकर पेश किमागमा उससे            यह सिद्ध होता है कि आराजी पेटक एक अधिकार की अग्रिम            है। भात भौरमा कर्ता खानदान बड़ा माई होने के नाते उसके            एक गलत अंकन रवातेदारी हो जाने से वादीगण को            महकम नहीं किमा जा सकता है।            प्रतिवादीगण बावजूद तामिल            के उपास्थित नहीं आये हैं। ना ही क्रेता आराजी उपस्थित            आये हैं।         </p>	

सहायक कलेक्टर  
 दोसा (जि. दोसा)

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व  
उत्तरकाम  
हुक्म की  
में जारी

लगाता  
5/12/19

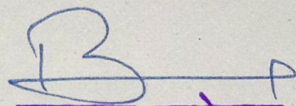
बल्कि दौखिता की जानकारी होते हुए कबजे का इंतकाल  
आज दिन तक आराजी के एक इंच भाग पर प्रतिवादी न  
। (लगामत 5 का कबजा) का इंतकाल नहीं रहा है नही क्रेतागण  
का कोई कबजा का इंतकाल है। इसी छूरत में प्रार्थी गण का प्रथम  
दृष्ट्य कैस प्रमाणित होता है।

वादी गण को पेटूक आराजी से बेदखल कर दिशा जाता  
है तो वादी गण को भारी अपूरणीय क्षति होगी जिसकी  
पूर्ति किसी भी प्रकार से नहीं की जा सकती है। इसी छूरत  
में वादी प्रार्थी गण के मुकाबले प्रतिवादी गण के मुकाबिल  
भारी साबित होता है।

अह है कि वादी गण द्वारा आदि घोषणा एवं तकासा  
का दावा पेश किया गया है। प्रतिवादी क्रेतागण को मजबूती  
क्रेतागण होने की गर्ज से स्थाई निषेधाज्ञा चाहा गया है  
क्रेतागण द्वारा रजिस्टर्ड विक्रम पत्र कराकर नामान्तरण  
करा लिया गया है। वादी के एक अधिकारी की उदघोषणा  
के दावे के लम्बित रहते आराजी का अग्रिम विक्रम किया  
जा सकता है इसी छूरत में प्रार्थी गण द्वारा तालेसला वाद  
पत्र आराजी के रहन वग अन्तरण किसी भी बवातेया द्वारा  
किसी जाने से निषेधाज्ञा चाहा गया है। ताकि मविठम में  
अन्त दौखिता उत्पन्न नहीं हो एवं प्रार्थी गण को अपूरणीय  
क्षति उत्पन्न होने की छूरत में जारिड मस्थाई निषेधाज्ञा  
दायरी दावे की राजस्व रिकार्ड की छूरत भधावत बनेम  
रखने हेतु पाबन्दी न्भागीहित में आवश्यक प्रतीत होती  
है। सुविधा सन्तुलन में वादी गण प्रार्थी गण को अपार्थी गण  
के एक में भारी क्षति होगी इसी छूरत में अपार्थी गण  
नं० लगामत। उको वाद गुस्त आराजी के रहन वग अन्तरण  
पंजीमन नामान्तरण से राजस्व रिकार्ड के परिवर्तन किया  
जाने से तालेसला वाद राजस्व रिकार्ड की भथास्थिति  
अस्थाई रूप से वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा  
से पाबन्द किया जाता है। ~~...~~  
~~...~~

सहायक कलेक्टर  
दौसा (जि. दौसा)

सहायक कलेक्टर  
दौसा (जि. दौसा)

<p>तारीख हुक्म</p>	<p><u>बुद्धा व/स जगदीश</u> हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
<p>लगातार ०५/११/१९</p>	<p>अर्पना पत्र कम्पाई निषेधाज्ञा पत्रावली वाद पत्र के साथ शामिल रहे। आदेश आज दिनांक ०५/११/१९ को वाद मेरे- हस्ताक्षर न्यायालय मोहट द्वारा पारित किभाजभा</p> <p style="text-align: center;">   <b>सहायक कलेक्टर</b>  <b>दौसा (जि. दौसा)</b> </p>	